भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 31
सोमवार, 1 दिसम्बर, 2025 (10 अग्रहायण, 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

कनेक्टिविटी के लिए कड़पा विमानपत्तन का विकास

31. श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी:
क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) रायलसीमा क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार हेतु कड़पा विमानपत्तन के विकास के लिए क्या उपाय किए गए हैं;
(ख) यूएई और कुवैत के लिए हवाई कनेक्टिविटी सुगम बनाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं; और
(ग) वर्ष 2024-25 में वंचित अथवा उपेक्षित क्षेत्रों के लिए कनेक्टिविटी के विकास हेतु निर्धारित निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): कड़पा हवाईअड्डे की पहचान दिनांक 30.03.2017 को आरसीएस हवाईअड्डे के रूप में की गई थी, जिसे 99.36 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया था और वर्ष 2017 में उड़ान योजना के तहत प्रचालनरत किया गया था। वर्तमान में, कड़पा, मैसर्स इंडिगो एयरलाइंस द्वारा परिचालित सेवाओं के माध्यम से चेन्नई, विजयवाड़ा और हैदराबाद से जुड़ा हुआ है। एएआई द्वारा नए घरेलू टर्मिनल भवन के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

कड़पा हवाईअड्डा एक घरेलू हवाईअड्डा है। तथापि यह हैदराबाद और चेन्नई से जुड़ा हुआ है और इन दोनों का संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत से सीधा संपर्क है।

आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों के पुनरुद्धार और उन्नयन के लिए 606.4 करोड़ रुपये आवंटित किए गए और इसका उपयोग किया गया।

******